# 'एक पेड़ मां के नाम अभियान से आमजन को पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिली'

**मांडलगढ़,** (निसं)। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने रविवार को मांडलगढ़ क्षेत्र के ग्राम पंचायत दौलपुरा पंचायत के चारागाह में 35 हेक्टेयर में 51 हजार पौधारोपण करने के महाअभियान की शुरुआत की और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। चारागाह में पौधे लगाने का 90 प्रतिशत काम पूर्ण कर लिया गया हैं। दौलपुरा पंचायत की चारागाह में 51 हजार पौधे लगाने के लक्ष्य में करीब 40 हजार फल, फूल और छायादार पौधे लगाए जा चुके हैं।

समारोह में मौजूद जनसमूह को सम्बोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री प्रेमचन्द्र बैरवा ने कहा कि आमजन अधिकाधिक पौधे लगाकर पर्यावरण के संरक्षण ओर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मिशन में अपना योगदान दें। डॉ. बैरवा ने इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ माँ के नाम अभियान की सराहना की और इसे एक प्रेरणादायक पहल बताया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल ने कहा कि पौधरोपण अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक है, बल्कि समाज में पेड़-पौधों के प्रति संवेदनशीलता और आदर भाव भी उत्पन्न करता है। विधायक ने मुख्यमंत्री के हरियालो राजस्थान अभियान में जन भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की।

इस मौके पर विधायक ने मांडलगढ़ में परिवहन कार्यालय खोलने और मानपुरा से महुआ तक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई सड़क के जल्द नवीनीकरण करने की मांग उप मुख्यमंत्री से की। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री प्रेम चन्द्र बैरवा और मौक़े पर मौजूद जनप्रतिनिधियों व जिला प्रशासन के अधिकारियों का मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल, दौलपुरा सरपंच रामजस दाधीच ने अभिनंदन किया। वहीं उप मुख्यमंत्री को 51 किलो फूलों का हार पहनाकर स्वागत किया गया।

पौधारोपण कार्यक्रम में विधायक गोपाल खंडेलवाल, मांडलगढ़ पंचायत समिति प्रधान जितेंद्र कुमार मूंदड़ा, जिला कलेक्टर जसमीत सिंह सिद्धू, पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र यादव, जिला परिषद सीईओ चंद्रभान सिंह भाटी, मांडलगढ़ एसडीम मनमोहन शर्मा, डीएसपी बाबूलाल विश्नोई, विकास अधिकारी संगीता व्यास, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, जिला परिषद सदस्य हरि लाल जाट, उप जिला प्रमुख शंकरलाल गुर्जर, महुआ सरपंच प्रतिनिधि मुकेश खटीक, अधीक्षण अभियंता गोपाल टेलर, रामलाल भील,भाजपा महुआ मंडल अध्यक्ष बृजमोहन शर्मा, विधायक प्रतिनिधि संदीप सोनी, जीएसएस अध्यक्ष लादूलाल धाकड़, युवा भाजपा नेता बजरंग मंत्री, सत्यनारायण वैष्णव, रलायता प्रशासक प्रेम देवी मौती लाल जाट, बरूंदनी प्रशासक गजेंद्र साहू सहित प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि एंव आमजन उपस्थित रहे।

मांडलगढ़ के दौलपुरा गांव की चारागाह में उपमुख्यमंत्री प्रेमचन्द्र बैरवा ने हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधरोपण किया।

- उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने मांडलगढ़ उपखंड के दौलपुरा में 35 हेक्टेयर में 51 हजार पौधारोपण करने के महाअभियान की शुरुआत की
- दौलपुरा पंचायत की चारागाह में 51 हजार पौधे लगाने के लक्ष्य में करीब 40 हजार फल, फूल और छायादार पौधे लगाए जा चुके हैं

# "एरिया डोमिनेशन अभियान" के तहत आरोपी गिरफ्तार

**पावटा,** (निसं)। प्रागपुरा पुलिस थाना टीम ने एरिया डोमिनेशन के अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार, अवैध खनन, अवैध शराब, स्थाई वारंटी, गिरफ्तारी वारंटी, सक्रिय अपराधी, सक्रिय हिस्ट्रीशीटरों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक कोटपुतली बहरोड़ देवेंद्र कुमार विश्नोई ने बताया कि पुलिस मुख्यालय द्वारा वर्तमान में वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान एरिया डोमिनेशन के तहत प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह यादव के नेतृत्व में गठित विशेष पुलिस टीमो द्वारा एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए दबिश के दौरान एक देसी पिस्टल जप्त कर अभियुक्त नितेश सैनी पुत्र कैलाश चंद निवासी मोडाला की ढाणी तन प्रागपुरा को गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर अनुसंधान जारी है। वहीं अवैध खनन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से बजरी परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर मय ट्रॉली बजरी के जब्त कर मोनू पुत्र माडूराम निवासी भूरीभड़ाज व भैरूराम पुत्र लीलाराम निवासी रामपुरा को गिरफ्तार कर एमडीआर एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। अभियान के तहत अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए अभियुक्त नाथूराम पुत्र मानसिंह निवासी कारोली के कब्जे से अवैध शराब के 40 पव्वे जप्त किये जाकर अभियुक्त को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। वहीं पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए स्थाई वारंटी गोकुल उर्फ रामनिवास पुत्र लादूराम निवासी ढाणी कुंडली दालेडा को गिरफ्तार किया व बाल न्यायालय द्वारा स्थाई वारंटों में तीन नाबालिग निरुद्ध करने में सफलता अर्जित की। प्रागपुरा पुलिस थाना टीम ने एरिया डोमिनेशन के अभियान के तहत गठित पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए प्रागपुरा थाना के सक्रिय हिस्ट्रीशीटर अमित पुत्र कैलाश निवासी मंडा सहित सक्रिय अपराधी भूपेंद्र पुत्र मदन लाल, सरवर खान पुत्र मनफूल खान, कृष्ण पुत्र महावीर, अमित कुमार पुत्र गेंदाराम, दीपक सिंह पुत्र ओमप्रकाश, हिमांशु पुत्र विनोद कुमार को गिरफ्तार किया।

प्रागपुरा पुलिस ने एरिया डोमिनेशन के अभियान के तहत कार्रवाई की।

## ट्रेन से गिरकर युवक घायल

**मकराना,** (निसं)। भोपाल-जोधपुर ट्रेन से गिरकर एक युवक के गंभीर रूप से घायल हो जाने का मामला सामने आया है। घायल को राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोरावड़ में प्राथमिक उपचार के बाद इलाज के लिए कुचामन के लिए रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार बेसरोली स्टेशन के पास ट्रेन से गिरे गंभीर रूप से घायल युवक रोहिताश पुत्र रामनिवास को गच्छीपुरा सीएचसी की 108 एम्बुलेंस से बोरावड़ सीएचसी लाया गया तथा ड्यूटी चिकित्सक के बार-बार कहने के बावजूद उसे बोरावड़ में ही छोड़कर वापिस चलते बनी। इसके बाद पुलिस चौकी बोरावड़ में सूचना देने पर पुलिसकर्मी बोरावड़ सीएसी पहुंचे जहां घायल का वीडियो बनाकर वापिस चले गए। इधर घायल को डॉ. विनोद सामोता के साथ चिकित्सा कर्मचारियों ने प्राथमिक उपचार दिया तथा 108 एम्बुलेंस से घायल को कुचामन के लिए रेफर किया गया। घायल के सिर में गंभीर चोट तथा हाथ, पैर में फ्रेक्चर बताया गया है।

## पाली का हेमावास बांध ओवरफ्लो

**पाली,** (नि.सं.)। पाली शहर में हालांकि रिमझिम बारिश हो रही है लेकिन जिले में देसूरी, सांडेराव, सुमेरपुर, बाली क्षेत्र में रविवार को भी अच्छी बारिश हुई। पाली के निकट हेमावास बांध ओवरफ्लो होकर रपट पर बहने लगी जिसे देखने शहरवासी पहुंचे। इधर बेड़ा नदी फिर से तेज गति से बहने के कारण जवाई बांध का जलस्तर बढ़कर 36 फीट के पास पहुंच गया। पाली जिले के 14 बांध ओवरफ्लो चल रहे हैं, जिसमें सरदार समंद, बनियावास राजपुरा, देसूरी बांध, बोमादड़ा पिकअप, सेनीनाल आदि शामिल है।

# कोटा में ठाठ-बाट से तीज माता की भव्य सवारी निकली

## शोभायात्रा में झांकियां आकर्षण का केंद्र रही, श्रावणी तीज मेले का आगाज

**कोटा,** (निसं)। श्रावणी तीज मेला आयोजन समिति के तत्वावधान में रविवार को कुलकर्णी सभागार से तीज माता की सवारी के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। विशेष पुष्पों से सुसज्जित बग्गी में सोलह श्रृंगार से सजी धजी तीज माता की सवारी ठाठ-बाट के साथ पारम्परिक मार्ग से निकली। इसके साथ ही 58वें तीज मेले का भी आगाज हो गया।

अध्यक्ष बसंत भरावा तथा संयोजक श्याम भरावा ने बताया कि पूर्व महापौर सुमन श्रृंगी, सुनीता भरावा, रूपाली भरावा, अलका दुलारी जैन कर्मयोगी, अनुसूईया गोस्वामी, नीलम शर्मा, उषा ठाकुर, निशा गौतम द्वारा तीज माता का मुख्य पूजन कर सुहाग चूडा एवं श्रृंगार सामग्री भेंट की। शोभायात्रा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी राजाराम जैन कर्मयोगी ने बताया कि शोभायात्रा रवाना होने से पूर्व कुलकर्णी सभागार में समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि विधायक संदीप शर्मा थे। अति विशिष्ट अतिथि नगर निगम कोटा दक्षिण प्रतिपक्ष नेता एवं मेला दशहरा एवं अन्य उत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष विवेक राजवंशी थे। अध्यक्षता भाजपा कोटा शहर जिला अध्यक्ष राकेश जैन ने की। विशिष्ट अतिथि नेता प्रतिपक्ष लव शर्मा, राकेश सोरल, फैजल बैग थे। इस दौरान लोक कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई।

शोभायात्रा कोटा जंक्शन कुलकर्णी हॉल से प्रारंभ होकर शीतला माता चौक, रानी जी की धर्मशाला होते हुए भीमगंजमंडी थाने के सामने से नर्मदेश्वर महादेव मंदिर पहुंची, जहां पर तीज माता की भव्य महाआरती की गई। इस अवसर पर तीज मेला संस्थापक स्वर्गीय नंदकिशोर भरावा, भंवरलाल भरावा को श्रद्धा सुमन समर्पित किए गए। उसके बाद शोभायात्रा का भरावा सदन पर पहुंचकर विश्राम हुआ। शोभायात्रा में तीज माता की सवारी के साथ शिव पार्वती और राधा कृष्ण हनुमान की झांकी भी सजाई गई थी। परंपरागत परिधान लहरिया में सजी संवरी महिलाएं शामिल हुई। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर स्वागत द्वार लगाए गए थे, जहां से विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संस्थाओं द्वारा पुष्पवर्षा एवं प्रसाद वितरण के साथ स्वागत किया गया। शोभायात्रा मार्ग में आयोजन समिति द्वारा 58 किलो घेवर का प्रसाद भी वितरित किया गया।

शोभायात्रा में ख्याति प्राप्त जैमैनी बैंड की मधुर स्वर लहरिया गूंज रही थी। विभिन्न अंचलों से आए हुए लोक कलाकारों द्वारा कच्छी घोड़ी, अलगोजा, भवई नृत्य समेत अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रमुख आकर्षण का केंद्र रही। इस दौरान अनिल कुमार शर्मा, लक्ष्मीनारायण गर्ग, नरेश कारा द्वारा सभी आमंत्रित अतिथियों का शॉल स्मृति चिन्ह एवं मोतियों की माला से स्वागत किया गया। शोभायात्रा के साथ ही स्टेशन स्थित हाट बाजार में लगने वाला 11 दिवसीय तीज मेले का भी आगाज हो गया। मेले में 11 दिनों तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मेले में दूरदराज से व्यापारी पहुंच चुके हैं। पहले दिन चकरी, झूले, खिलौने की दुकानें, चाट पकौडे की स्टाल पर खासी भीड़ रही। इस दौरान सोमवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ प्रारंभ खाटूश्याम बाबा के जागरण के साथ होगा। इसके बाद ही 29 जुलाई को लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं 6 अगस्त को विदाई समारोह कार्यक्रम के साथ ही मेले का समापन होगा।

कोटा में सौलह श्रृंगार से सजी तीज माता की सवारी निकाली गई।

# उदयपुर में सरकारी स्कूल की दीवार ढही, छुट्टी होने से हादसा टला

## रूपावली गांव में स्थित स्कूल में पहली से आठवीं कक्षा तक में 90 बच्चे पढ़ते हैं

**उदयपुर,** (का.सं.)। उदयपुर में वल्लभनगर के रूपावली गांव में स्थित सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय की दीवार रविवार सुबह गिर गई। रविवार की छुट्टी होने से स्कूल में कोई बच्चा नहीं था वरना बड़ा हादसा हो सकता था। इस स्कूल में पहली से आठवीं कक्षा तक के 90 बच्चे पढ़ते हैं।

गांव वालों ने बताया कि उन्होंने कई बार स्कूल की टूटी-फूटी हालत की शिकायत स्कूल स्टाफ और ब्लॉक शिक्षा अधिकारी से की थी। इसको लेकर धरना प्रदर्शन भी किया, लेकिन शिक्षा विभाग ने कोई ध्यान नहीं दिया। रविवार सुबह जब स्कूल की छत गिरी तो एक गांव वाले ने इसे देखा और तुरंत स्कूल के हेडमास्टर फतहसिंह को खबर की।

उल्लेखनीय है कि यह घटना झालावाड़ के पिपलोदी गांव की दर्दनाक घटना के बाद हुई है जहां कुछ दिन पहले सरकारी स्कूल की छत गिरने से 7 मासूम बच्चों की जान चली गई थी। जानकारी अनुसार जिस बरामदे की छत और दीवार ढही है, उसी छत के नीचे रोज कक्षा लगती थी। रोज बच्चे पढ़ाई करते थे। छत कई सालों से जर्जर अवस्था में थी। बारिश के दिनों में छत से पानी कक्षा में आता था। बीती रात फिर से उदयपुर में बारिश शुरू हुई और सुबह बरामदे की छत गिर गई। अगर आज अवकाश नहीं होता था तो बच्चों की जान खतरे में जा सकती थी।

स्कूल हैड मास्टर फतहसिंह झाला का कहना है कि स्कूल के जर्जर भवन की हालत के बारे में पूर्व में विभाग को अवगत करा दिया था। इसके रिपेयर करने के लिए पैसा पास भी हो चुका है। शायद बारिश बाद इसकी मरम्मत की जाएगी। वर्ष 1984 में ये भवन बना। जिसमें आरसीसी छत नहीं है। पट्टी की छत है।

## बीमार चल रही मोती हथिनी को नई जिन्दगी मिली

**उदयपुर,** (निसं)। पिछले कुछ समय से बीमार चल रही हथिनी मोती को आखिरकार राहत की सांस मिली है। कुछ सप्ताह पूर्व एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें उसके महावत द्वारा अमानवीय व्यवहार किया जा रहा था। इस घटना के बाद वाइल्ड लाइफ (मथुरा) की टीम उदयपुर पहुंची और मोती का हेल्थ का परिक्षण किया।

स्वास्थ्य परीक्षण में सामने आया कि मोती को न तो पोषणयुक्त भोजन मिल रहा था और न ही उचित चिकित्सा। उसका वजन असामान्य रूप से बढ़ चुका था और वह गंभीर गठिया से पीड़ित थी। उसके पैरों की हालत अत्यंत खराब थी और वह मुश्किल से चल पा रही थी।

यह भी सामने आया कि स्थानीय लोग अनजाने में उसे मिठाई और आलू जैसे नुकसानदेह खाद्य पदार्थ खिला रहे थे, जिससे उसकी हालत और बिगड़ती जा रही थी, लेकिन सबसे दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि जब पहले रामू और मोती दोनों को वनतारा वाइल्ड लाइफ मथुरा भेजने का प्रस्ताव रखा गया था, तब उदयपुर के कुछ तथाकथित पशु प्रेमियों ने इसका विरोध किया।

उन्होंने रामू को शिफ्ट करने से रोक दिया और मोती को भी यहीं रखने की जदि पर अडे रहे। अब वन विभाग ने इस बार किसी प्रकार की चूक न करते हुए मोती के मामले को गंभीरता से लिया और टीमों की मदद से मोती को स्थायी रूप से वनतारा में स्थानांतरित कर दिया है। अब मोती विशेषज्ञों की देखरेख में प्रेम, सुरक्षा और चिकित्सा सुविधाओं के बीच अपना जीवन शांति से व्यतीत कर सकेगी।

## अवैध गांजे से भरी कार जब्त, दो गिरफ्तार

**उदयपुर,** (निसं)। जिले के बैकरिया थाना पुलिस ने नाकाबंदी तोड़कर भागी कार का पिछा कर दो बदमाशों को गिरफ्तार कर अवैध गांजे सहित कार बरामद की। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाडा, पुलिस उप अधीक्षक राजेन्द्रसिंह राठौड़ के सुपरविजन में बैकरिया थानाधिकारी उत्तमसिंह मय टीम ने रविवार तड़के नाकाबंदी के दौरान कोटड़ा की तरफ से आ रही कार को रूकने का इशारा किया, जिस पर चालक नाकाबंदी तोड़ कर भागा, जिस पर पिछा कर सुरगों के बीच कार को रोक कर उसमें सवार बेमाली करोड़ा भीलवाड़ा निवासी ललितगिरी तथा विनोद लौहार को गिरफ्तार किया।

# पर्यावरण संरक्षण और सर्वांगीण विकास के लिए केंद्र व राज्य सरकार कृत संकल्पित : भूपेंद्र यादव

**अलवर,** (निसं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "एक पेड़ मां के नाम" अभियान से प्रेरित "हरियालो राजस्थान अभियान" के तहत हरियाली तीज के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के अंतर्गत रविवार को कटी घाटी स्थित कन्या उपवन में वन महोत्सव-हरियालो राजस्थान 2025 का जिला स्तरीय पौधारोपण कार्यक्रम केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रभारी मंत्री एवं कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने की तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने शिरकत की। "हरियालो राजस्थान अभियान" के तहत अलवर जिले में एक दिन में 10 लाख पौधे लगाये गये।

भाजपा मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने उपस्थित आमजन को हरियाली तीज की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विशेष पहल के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू किया गया, उन्होंने उपस्थित जनसमूह को पर्यावरण शपथ दिलाई तथा कार्यक्रम में अतिथियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि हमारा लक्ष्य है अलवर को विकास, पर्यटन एवं स्वच्छता की दृष्टि से बढ़ावा मिले, इसके लिए गत वर्ष से अलवर को स्वच्छता में आगे बढ़ाने के विशेष प्रयास किए गए व स्वच्छता कार्य के लिए अधिक फंड उपलब्ध कराया गया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए विशेष प्रयासों की वजह से अब स्वच्छता रैंकिंग में अलवर को देशभर के शहरों में 54 वां स्थान मिला, जो की पहले 354 वां स्थान था, वहीं 3 लाख से 10 लाख की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में अलवर को प्रदेश में चौथा स्थान मिला है। उन्होंने कहा कि यह सुधार अलवर के नागरिकों के कल्चरल एवं बिहेवियर चेंज को दर्शाता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी मंत्री तथा कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार है हमें प्राण वायु प्रदान करते हैं, ग्लोबल वार्मिंग, प्रकृति के दोहन एवं प्रदूषण की वजह से पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक पौधे लगाना अति आवश्यक है। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत वर्ष 'एक पेड़ मां के नाम' लगाने का आव्हान किया। उप वन संरक्षक अलवर राजेन्द्र हुड्डा ने बताया कि कटी घाटी स्थित कन्या उपवन में वन महोत्सव-हरियालो राजस्थान 2025 का जिला स्तरीय पौधारोपण कार्यक्रम में अतिथियों की अगुवाई में कन्या उपवन में वन विभाग, आईटीबीपी रामगढ़, एसएसबी मौजपुर के जवानों, पुलिस, एनसीसी, स्काउट, गाइड, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, ईको क्लब, व्यापारिक व औद्योगिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों के सहयोग से मियावाकी पद्धित से विभिन्न प्रकार की प्रजातियों के पौधे रोपे गए। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष अलवर जिले को 30 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया था जिसके विरूद्ध अब तक जिले में 23 लाख पौधे लगाए जा चुके हैं तथा जिलेभर में 10 लाख पौधे लगाए जाएंगे।

कार्यक्रम में जिला प्रभारी सचिव एवं ऊर्जा विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा, रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह, जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला, डीआईजी एसएसबी संजीव यादव, डीआईजी आईटीबीपी संजय कोठारी, पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी, सीसीएफ संग्राम सिंह कटियार, डीएफओ अलवर राजेंद्र हुड्डा, डीएफओ सरिस्का अभिमन्यु साहरण, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, परिषद के सीईओ सालुखे गौरव रविंद्र, युआईटी सचिव श्रीमती स्नेहल नाना धोग्दे, प्रधान दौलतराम जाटव, बन्नाराम मीणा,घनश्याम गुर्जर, लक्ष्मी नारायण गुप्ता, नरेश गोयल, हरिशंकर खण्डेलवाल, जितेन्द्र सैनी, जितेंद्र शर्मा, सतीश यादव, महेश निहालवानी, जगदीश अटल, संध्या महेश मीणा, सुमन चौधरी, जितेंद्र राठौड, सीताराम चौधरी, सोनू चौधरी, अरूण जैन, के.जी खण्डेलवाल, अमित गोयल, गोरधन सिसोदिया, अशोक वर्मा, मुकेश विजय, राजेन्द्र कसाणा, रामवतार चौधारी, देशराज खरेरा, ईश भारद्वाज सहित गणमान्य नागरिक, अर्ध सैनिक बलों, राजस्थान पुलिस, एनसीसी, स्काउट गाइड के जवान, छात्रा-छात्राएं तथा आमजन मौजूद रहे।

अलवर में कटी घाटी स्थित कन्या उपवन में वन महोत्सव-हरियालो राजस्थान के तहत पौधारोपण किया।

- कटी घाटी स्थित कन्या उपवन में वन महोत्सव-हरियालो राजस्थान 2025 का जिला स्तरीय पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ

# बारिश से खेतों में पानी भरा, फसलें गलने से किसानों की चिंता बढ़ने लगी

छबड़ा में बारिश से खेतों में खड़ी फसल में पानी भरा हुआ है।

**छबड़ा,** (निसं)। एक ओर लगातार हो रही बारिश जहां आम जनजीवन को प्रभावित कर रही है, वहीं दूसरी ओर किसानों के लिए यह मौसम एक गंभीर चुनौती बन गया है। खेतों में खड़ी खरीफ फसलें जलभराव से जूझ रही हैं, जिससे उत्पादन पर बड़ा असर पड़ सकता है। किसानों का कहना है कि अधिकांश खेतों में अभी भी फसलें खड़ी हैं। जिनमें लगातार बारिश से पानी भर गया है, जिसके कारण फसलें नष्ट होने के कगार पर हैं। वहीं, कई स्थानों पर फसलें बड़ी होने के कारण आडी पड़ चुकी हैं। पूर्व के वर्षों में भी खरीफ की पैदावार पर असर पड़ा था। इस वर्ष भी लगातार बारिश से किसानों की रही सही उम्मीदों पर भी पानी फिरता हुआ नजर आ रहा है। लगातार बारिश होने से किसान एक बार फिर चिंता में डूब गए हैं। दिन-रात कड़ी मेहनत करने के बाद किसानों को उम्मीद थी कि बढ़िया बारिश होने से खेत सोना उगलेंगे, लेकिन प्राकृतिक आपदा के चलते खेतों में पानी भरने से सोयाबीन एवं उड़द आदि की फसल में नुकसान की आशंका है।

किसान शंकरलाल ने बताया कि खेती की पैदावार का किसान के संपूर्ण परिवार पर असर पड़ता है। वर्तमान में भी किसानों ने महंगा बीज व हंकाई-जुताई के साथ-साथ कीटनाशकों व अन्य कृषि कार्यों में हजारों रुपया खर्च किया है, लेकिन क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण फसलों को पर्याप्त धूप व अनुकूल तापमान नहीं मिलने के कारण व खेतों में पानी भराव तथा अधिक नमी के चलते फसलें विकसित होने की बजाय खराब होने की आशंका है। नुकसान का तत्काल प्रशासन की ओर से सर्वे करवाने की मांग की गई है। कृषक भूरा ने बताया कि सोयाबीन की फसल की बुवाई के बाद अच्छी बारिश के कारण किसानों के खेतों में सोयाबीन की फसल लहलहाने लगी थी, लेकिन लगातार बारिश होने के कारण पैदावार पर असर पड़ने लगा था।

कृषक नंदकिशोर ने बताया कि पिछले तीन-चार सालों से लगातार किसान दोहरी मार झेल रहा है। इस वर्ष रबी की फसल में एकदम से गर्मी पड़ने के कारण पैदावार कम हो गई थी। गेहूं की पैदावार में कमी दर्ज की गई थीं। वहीं इस वर्ष सोयाबीन आदि की फसल में तेज बारिश के चलते खेतों में पानी भर गया। उसके बाद अब खेतों में फसलों के साथ कीचड़ नजर आ रहा है। जिससे फसल खराब होने लगी है। किसान रामदयाल धाकड़ ने बताया कि लगातार हुई बारिश के चलते चारों ओर पानी ही पानी हो जाने से खेतों में अधिक मात्रा में पानी भर गया, जिससे फसलें खराब होने का खतरा मंडरा रहा है।